भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर में 14वां दीक्षांत समारोह आयोजित

प्रोफेसर वी.एस. राममूर्ति, पद्म भूषण पुरस्कार विजेता
इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए

भुवनेश्वर, 18 अप्रैल 2026: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने 18 अप्रैल 2026 को अपना 14वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया है। प्रोफेसर वी.एस. राममूर्ति, पद्म भूषण पुरस्कार विजेता; पूर्व सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। भारत के और पूर्व निदेशक, भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और दीक्षांत भाषण दिया। आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने दीक्षांत समारोह की रिपोर्ट प्रस्तुत की और छात्रों को डिग्री प्रदान की।

इस दीक्षांत समारोह के दौरान, संस्थान ने 802 छात्रों को डिग्री प्रदान की, जिनमें से 96 (12%) पीएचडी, 177 (22%) एम.टेक, 96 (12%) एम.एससी, 102 (13%) दोहरी डिग्री (बी.टेक और एम.टेक), और 325 (41%) शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए बी.टेक. यह स्नातक छात्रों, उनके माता-पिता, संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों और संस्थान के प्रशासन के लिए गर्व का क्षण था।

स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए, मुख्य अतिथि ने इस बात पर जोर दिया कि उत्कृष्टता वैकल्पिक नहीं है, बल्कि एक प्रतिबद्धता है - 'आप जो भी करें, उसे अच्छे से करें' - और उनसे अपने चुने हुए रास्ते पर नेतृत्व करने और अपनी छाप छोड़ने का प्रयास करने का आग्रह किया। हिग्स बोसोन की ऐतिहासिक खोज का हवाला देते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे परिवर्तनकारी सफलताएँ अलग-अलग प्रयासों के बजाय दीर्घकालिक दृष्टि, दृढ़ता और बड़े पैमाने पर वैश्विक सहयोग पर आधारित होती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मिशनों में एक समान भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया, यह देखते हुए कि आज देश का योगदान गुणवत्ता और प्रभाव दोनों में प्रतिस्पर्धी है। मानसिकता में बदलाव का आह्वान करते हुए, उन्होंने आईआईटी जैसे संस्थानों से सीमाओं से परे जाने, वैश्विक सहयोग को अपनाने और अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए परिभाषित मंत्र के रूप में 'प्रतिस्पर्धा के दौरान सहयोग' को अपनाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने संस्थान के विभिन्न प्रयासों और उपलब्धियों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा, "आईआईटी भुवनेश्वर का 14वां दीक्षांत समारोह गर्व और पूर्णता का क्षण है क्योंकि हमारे छात्र स्नातक हैं, जो एक ऐसी दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं जो क्षमता और चरित्र दोनों की मांग करती है। ज्ञान प्राप्त

करने और गंभीर और नवीन रूप से सोचने के लिए सीखने के बाद, हमें विश्वास है कि वे अपने सपनों को वास्तविक दुनिया में प्रभाव में बदल देंगे। संस्थान प्रमुख बुनियादी ढांचे और स्थिरता पहलों के साथ-साथ अपने अनुसंधान पदचिह्न, नवाचार पाइपलाइन, उद्योग-अकादमिक सहयोग और एक बढ़ते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना जारी रखता है। आगे देखते हुए, हम अंतःविषय अनुसंधान, वैश्विक पर ध्यान केंद्रित करते हैं। साझेदारी, और तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य में नेतृत्व करने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए स्नातकों को तैयार करना।"

प्रोफेसर कर्मलकर ने उनकी अनुपस्थिति में आईआईटी भुवनेश्वर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह का संदेश पढ़ा।

दीक्षांत समारोह के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए गए।

भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक:

सभी बी.टेक छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग के श्री वरुण वर्मा जगनाथ को पुरस्कृत किया गया

सर्वोत्तम शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए निदेशक के स्वर्ण पदक:

दोहरी डिग्री (बी.टेक और एम.टेक):

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग शाखा की सुश्री वेदांत महापात्र

एम.टेक:

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग शाखा के श्री हर्ष नील मणि

एम.एससी.:

रसायन शास्त्र की सुश्री अनन्या भौमिक

विभिन्न शाखाओं में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए संस्थान को रजत पदक:

बी.टेक.:

श्री सैकत मंडल; श्री गुंडा अनीश; श्री राहुल अग्रवाल; श्री हरिकृष्णन ए.; श्री वरुण वर्मा जगनाथ; सुश्री अद्रिजा पात्रा

दोहरी डिग्री:

श्री वेदांत महापात्र; श्री वर्धन मित्तल, श्री राहुल अग्रवाल; सुश्री पार्थवी जैन और श्री शशिकांत वर्मा

एम.टेक:

श्री अर्पण भट्टाचार्य; श्री हर्ष नील मणि; श्री प्रभातांगशु फुकन; श्री अनुविंध आर.; श्री वामरावेल्ली लोकेश; श्री ज्योति प्रकाश परमाणिक; श्री बी भरत कुमार

एम.एससी.:

सुश्री अलंकिता नाग; श्री अंकित कुमार मिश्रा; श्री अनन्या भौमिक; श्री अमित बसाक; श्री अजित प्रसाद महापात्र

एंडोमेंट पुरस्कार:

सर्वश्रेष्ठ पुरुष स्नातक के लिए डॉ. के. कस्तूरीरंगन पुरस्कार

श्री वरुण वर्मा जगनाथ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग

सर्वश्रेष्ठ महिला स्नातक के लिए प्रो. पी. रामाराव पुरस्कार

सुश्री अद्रिजा पात्रा, धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग

मैकेनिकल विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ बी.टेक थीसिस के लिए दिनेश मेमोरियल अवार्ड

श्री बडवेलु प्रणय प्रभा, स्कूल ऑफ मैकेनिकल साइंसेज

सर्वश्रेष्ठ बी.टेक थीसिस के लिए बी.के. डे मेमोरियल अवार्ड

श्री इंद्रयुद्ध घोष, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ बी.टेक थीसिस के लिए तेजस्वी मेमोरियल अवार्ड

श्री आयुष प्रताप सिंह और श्री इंद्रायुध घोष, स्कूल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर साइंसेज